संगीत नाटक अकादेमी
Sangeet Natak Akademi

संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार

संगीत नाटक अकादेमी

संगीत, नृत्य एवं नाटक की राष्ट्रीय अकादेमी, नई दिल्ली

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त संस्था)

स्वर प्रभात

भोर की राग-रागिनियाँ

प्रबल शर्मा, *असम* – हिन्दुस्तानी गायन

प्रेमानन्द बरल एवं साथी, *पश्चिम बंगाल* – श्री खोल

संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली

द्वारा आयोजित कार्यक्रम में आप सादर आमंत्रित हैं ।

दिनांक: **रविवार 22 जनवरी 2017**

समय : **प्रातः 8.00 बजे**

स्थान : मेघदूत परिसर, रवीन्द्र भवन, कॉपरनिकस मार्ग, नई दिल्ली 110001

संगीत नाटक अकादेमी

संगीत, नृत्य एवं नाटक की राष्ट्रीय अकादेमी, भारत

संगीत नाटक अकादेमी भारत गणराज्य द्वारा स्थापित संगीत, नृत्य और नाटक की प्रथम राष्ट्रीय कला अकादेमी है। इसका गठन भारत गणराज्य द्वारा 1952 में किया गया था और भारत के गजट में इसे जून 1952 में अधिसूचित किया गया था। भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 28 जनवरी, 1953 को संसद भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में इसका उद्घाटन किया।

अपने स्थापना काल से ही अकादेमी देश में प्रदर्शन कला के क्षेत्र की शीर्षस्थ संस्था के रूप में कार्य करती रही है और देश में संगीत, नृत्य और नाटक की विभिन्न संस्कृतियों की व्यापक अमूर्त परम्पराओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए कटिबद्ध है। अपने इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अकादेमी भारत सरकार और विभिन्न राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों की कला अकादेमियों तथा देश की प्रमुख सांस्कृतिक संस्थाओं से सामंजस्य बैठाती है और सहयोग प्रदान करती है। अकादेमी प्रदर्शन कलाओं के क्षेत्र में राष्ट्रीय महत्व की संस्थाओं एवं परियोजनाओं की स्थापना एवं उनकी देखरेख करती है। अकादेमी संगीत, नृत्य और नाटक के प्रदर्शनों का आयोजन करती है और सर्वश्रेष्ठ कलाकारों और विद्वानों को पुरस्कार से सम्मानित करती है। अकादेमी संगीत, नृत्य और नाटक के प्रदर्शन तथा उसके प्रचार–प्रसार में जुटी संस्थाओं को व शिक्षण एवं प्रदर्शन में रत संस्थाओं के कार्यों के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करती है। प्रदर्शन कला से संबंधित अनुसंधान, प्रलेखन और प्रकाशन के लिए अनुदान देती है, विशिष्ट विषयों के सेमिनार और कांफ्रेंस का आयोजन करती है एवं इसके लिए आर्थिक सहायता देती है, अपने ऑडियो–वीडियो अभिलेखागार के लिए प्रलेखन और रिकार्डिंग का काम करती है, अकादेमी में एक संदर्भ ग्रंथालय है और एक वाद्य वीथिका भी है, इसके अतिरिक्त प्रासंगिक विषयों पर कुछ साहित्य का प्रकाशन भी करती है।

अकादेमी की नृत्य की दो राष्ट्रीय संस्थाएं हैं, इम्फाल में जवाहर लाल नेहरू मणिपुरी नृत्य एकेडमी और नई दिल्ली में कथक केन्द्र। अकादेमी ने तिरुवनन्तपुरम में कूटियाट्टम केन्द्र की स्थापना की, और गुवाहाटी में सत्रिय केन्द्र एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रिय केन्द्र की स्थापना की। दिल्ली में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय मूल रूप से अकादेमी की अन्य घटक इकाई था। 1975 में इसे स्वायत्त संस्थान का दर्जा मिला। संगीत नाटक अकादेमी भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्था है। इसकी सम्पूर्ण योजनाओं व कार्यक्रमों के कार्यान्वयन का वित्त पोषण पूर्ण रूपेण भारत सरकार करती है।

अकादेमी के पदाधिकारी

शेखर सेन	अरुणा साइराम	ऋता स्वामी चौधरी
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव

Live webcast: http://sangeetnatak.gov.in/sna/webcast.php

आमंत्रित गण कृपया कार्यक्रम प्रारम्भ होने से 15 मिनट पहले अपना स्थान ग्रहण कर लें।

सुरक्षा के कारण ब्रीफकेस, हैंडबैग, मोबाईल फोन, टेप रिकॉर्डर और कैमरा या अन्य किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक वस्तु वर्जित है। कार्यक्रम की ऑडियो/वीडियो रिकॉर्डिंग करना वर्जित है।

कार्यक्रम परिवर्तनीय। पूछताछः 23387246/47/48